हिन्दी

स्नातकोत्तर स्तर

जनरल आउटकम

1. विद्याार्थियों को हिन्दी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
2. साहित्य के मूलभूत स्वरूप तथा विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त होगी।
3. विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।
4. विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात् हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
5. हिन्दी के राजगार परक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
6. हिन्दी भाषा के विकासक्रम की सम्यक् जानकारी प्राप्त होगी।
7. पत्रकारिता के पाठ्यक्रम के माध्यम से कैरियर बनाने का अवसर प्राप्त होगा।

सोशल आउटकम

1. हिन्दी साहित्य के संपूर्ण इतिहास से परिचित कराना।
2. प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन काव्य एवं उनके प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
3. हिन्दी गद्य की प्रमुख्य विधा नाटक एवं रंगमंच के विकास एवं प्रमुख नाटककार एवं एंकाकीकारों की प्रमुख एंकाकियों एवं नाटकों से परिचित कराना।
4. कार्यालयी हिन्दी के विषय में जानकारी देना।
5. उत्तरमध्यकालीन काव्य एवं कवियों से परिचित कराना।
6. हिन्दी गद्य की विधा – कहानी एवं उपन्यास से परिचित कराना तथा कथेतर गद्य साहित्य के विषय में अवगत कराना।
7. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा के विकासक्रम से परिचित कराना।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, पत्रकारिता एवं आलोचना विधा से परिचित कराना।

कोर्स आउटकम

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

1. आधुनिक काव्य
2. काव्यशास्त्र
3. पत्रकारिता प्रशिक्षण

1. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के विकास से छात्राओ को परिचित कराना एवं आधुनिक काल के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाओं से अवगत कराना।
2. काव्यशास्त्र के सिद्धांतो से छात्राओं को अवगत कराना। भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास से छात्राओं को परिचित कराना।
3. हिन्दी के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व एवं रोजगार के रूप में पत्रकारिता के महत्व से छात्राओं को अवगत कराना।

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

1. छायावादोत्तर काव्य
2. हिन्दी आलोचना
3. कौरवी लोक साहित्य

1. छायावादोत्तर कालीन काव्यधारा की विभिन्न धाराओं से परिचित कराना एवं प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं से अवगत कराना।

2. हिन्दी आलोचना के विकास एवं प्रमुख आलोचकों से परिचित कराना।
3. हिन्दी आलोचना के विकास एवं प्रमुख आलोचकों से परिचित कराना।
4. कौरवी लोक साहित्य आदि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

स्नातक स्तर हिन्दी,
जनरल आउटकम

1. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
2. साहित्य के मूलभूत स्वरूप तथा विभिनन विधाओं आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
3. विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।
4. विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात् हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
5. हिन्दी के रोजगारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।

प्रोग्राम स्पीस्फिक आउटकम्स

1. बी0ए0 प्रथम वर्ष के प्रथम प्रश्न पत्र 'प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य' के अन्तर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा हिन्दी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन काल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास से परिचय कराकर जानकारी देना।
2. बी0ए0 प्रथम वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिन्दी नाटक और रंगमंच' के अन्तर्गत विद्यार्थियों को नाटक एवं एकांकी विधा का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि नाटककारों के प्रमुख नाटकों एवं एकांकियों से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी इन विधाओं से परिचित हो सके और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को इस हेतु तैयार करना।
3. बी0ए0 द्वितीय वर्ष के प्रथम प्रश्न पत्र 'आधुनिक हिन्दी काव्य' के अन्तर्गत आधुनिक काल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी साहित्य के द्विवेदी एवं छायावाद काल के इतिहास के विषय में अवगत कराना।
4. बी0ए0 द्वितीय वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिन्दी कथा साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को उपन्यासा एवं कहानी विधा का सम्यक् ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रमुख उपन्यासों एवं कहानीकारों के प्रमुख उपन्यासों एवं कहानियों से परिचित कराना।
5. बी0ए0 तृतीय वर्ष के प्रथम प्रश्नपत्र 'अद्यतन हिन्दी एवं कौरवी लोक काव्य' के अंतर्गत छायावादोत्तर कालीन एवं अद्यतन कवियों की कविताओ के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी साहित्य के छायावादोत्तर काल के इतिहास से परिचित कराना तथा कौरवी लोक काव्य के अंतर्गत भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से परिचित कराना तथा लोक–संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
6. बी0ए0 तृतीय वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र के अंतर्गत 'हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं' के अंतर्गत विद्यार्थियों को निबंध एवं गद्य की अन्य विधाओं जैसे संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, यात्रावृत्तान्त आदि से परिचित कराना एवं इन विधाओं से संबंधित रचनाकारों की रचनाओं से परिचित कराना।

कोर्स आउटकम
बी0ए0 द्वितीय वर्ष–

1. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना एवं हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद युग) के इतिहास से परिचित कराना।

2. विद्यार्थियों को कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी) से परिचित कराना तथा उपन्यास एवं कहानी विधा के विकास क्रम से अवगत कराना तथा हिन्दी के प्रमुख उपन्यासकारों एवं कहानीकारों की प्रतिनिधि उपन्यासों एवं कहानियों से परिचित कराना।

बी0ए0 तृतीय वर्ष–

1. हिन्दी साहित्य के छायावादोत्तर एवं अद्यतन काल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना एवं हिन्दी साहित्य के छायावादोत्तर काल (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता) के इतिहास से अवगत कराना।
2. हिन्दी साहित्य की विभिन्न गद्य विधाओं (निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृतान्त, रिपोतार्ज) से परिचित कराना एवं निबंध एवं अन्य विधाओं से संबंधित रचनाकारों से परिचित कराना।